खास-खबरें

मुख्यमंत्री ने पीपल, कदंब और बादाम के पौधे रोपे

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में सांसद रोडमल नागर तथा विधायक शिशुपाल यादव के साथ पौध-रोपण किया। पौध-रोपण में डांटेश बाउल चेरिटी संस्था की सुश्री आर्ची अग्रवाल,समर्थ अमरणानी, सानिध्य जैन, कुणाल चतुर्वेदी और सुश्री दिया श्रोतिया भी शामिल हुए। आज पीपल, कदंब और बादाम के पौधे लगाए गए। संस्था, कोविड-19 महामारी के लॉक डाउन के बाद पशुओं की देखभाल और पोषण के लिए कार्य कर रही है।

चौहान ने डॉ. हेडगेवार की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की पुण्य-तिथि पर नमन किया। मुख्यमंत्री ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। डॉ. हेडगेवार बचपन से ही क्रांतिकारी प्रवृत्ति के थे, उन्हें अंग्रेज शासकों से घृणा थी। डॉ. हेडगेवार ने 1925 में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। उनका निधन 21 जून 1940 को नागपुर में हुआ।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय उच्चाधिकार समिति का गठन

भोपाल। राज्य शासन ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) -2.0 का संचालन करने के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है। समिति में नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य और यांत्रिकी, वित्त और पर्यावरण विभागों के प्रमुख सचिव, अध्यक्ष राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि, राज्य स्तर पर एसबीएम-ग्रामीण के मिशन संचालक, सदस्य होंगे। संचालक, राज्य मिशन स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) सदस्य सचिव होंगे। समिति द्वारा मिशन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य की संपूर्ण वार्षिक कार्य-योजना का अनुमोदन दिया जाएगा। समिति, समय-समय पर लक्ष्यों और क्रियान्वयन गतिविधियों की योजना बनाएगी एवं उसकी समीक्षा करेगी। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कार्रवाई करेगी। उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अन्तर विभागीय समन्वय स्थापित करने का कार्य करेगी। लघु, मध्यम एवं दीर्घावधि में वित्तीय प्रवाह की योजना एवं अतिरिक्त संसाधन जुटाने की योजना बनाना, योजना में जारी राशि का समय-समय पर पर्यवेक्षण करना तथा ऑडिट रिपोर्ट की समीक्षा की जायेगी।

राज्यपाल ने राजभवन में और गृह मंत्री ने केन्द्रीय जेल में किए योगासन

भोपाल (काप्र)।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजभवन में हुए योग कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मैसूर पैलेस में दिए गए उद्बोधन और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन का लाइव प्रसारण देखा।

राज्यपाल श्री पटेल ने सामूहिक रूप से आसन, प्राणायाम और ध्यान की यौगिक क्रियाओं में भाग लिया। राज्यपाल के साथ करीब 200 व्यक्ति ने सामूहिक रूप से ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, कटिचक्रासन, दण्डासन, वज्रासन, तितली आसन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन और शवासन किए। आसनों के बाद कपालभाति, नाड़ीशोधन, अनुलोम-विलोम, शीतली, उज्जायी, भ्रामरी, उद्गीत आदि प्राणायाम किए। ध्यान, क्लेपिंग एवं लाफिंग थेरेपी के साथ सामूहिक योग कार्यक्रम को विराम दिया गया। संचालन योग गुरु श्री राजीव जैन त्रिलोक ने किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा सहित राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी, परिजन और प्राथमिक माध्यमिक शाला कुम्हारपुरा के स्कूली बच्चे और शिक्षक भी शामिल हुए।

योग बेहतर जीवन जीने की एक कला है : डॉ. मिश्रा

जेल एवं गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भोपाल में सेंट्रल जेल में बंदियों के साथ योग किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहे योग को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। मंत्री डॉ. मिश्रा ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई और शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि योग बेहतर जीवन जीने की कला है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने भोपाल सेंट्रल जेल के सांस्कृतिक भवन में जेल महानिदेशक श्री अरविंद कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एडीजी श्री अशोक अवस्थी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री एसपीएस बुंदेला, डीआईजी जेल श्री संजय पांडे और श्री एम.आर. पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश नरगावे दुबे, जेल अधीक्षक श्री अरविंद और लगभग 150 बंदियों के साथ योग किया। सेंट्रल जेल भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर लगभग 4000 कैदियों ने अलग-अलग स्थानों पर योग किया। मंत्री डॉ. मिश्रा के साथ सभी उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रसारित संदेश को ऑन-स्क्रीन सुना। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आहवान पर हमें योग को वृहद स्तर पर प्रसारित करना है।

उन्होंने कहा कि योग अब हमारे जीवन का हिस्सा ही नहीं है अपितु जीवन जीने का एक तरीका बन गया है। योग हमें सिर्फ निरोग ही नहीं रखता है, बल्कि बेहतर जीवन जीने की कला को भी सिखाता है।

दिग्विजय पूरी कॉंग्रेस को शीर्षासन करा चुके :मिश्रा

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय ने प्रशिक्षित ट्रेनर्स से ही योगासन सीखने की सलाह दी, जिसके जवाब में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि जब वे सीएम थे, तब प्रदेश की सड़कों पर हिचकौला आसन कराते थे।

दिग्विजय ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ट्वीट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा- स्वस्थ जीवन के लिए योग-ध्यान-प्राणायाम आवश्यक है। लेकिन -मॉस योगा आयोजन केवल सार्वजनिक समारोह हो सकता है लेकिन कौन सा योगासन किसे करना चाहिए यह अनुभवी योग प्रशिक्षकों से ही सीखना चाहिए।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय सिंह के इस ट्वीट को लेकर उन पर तंज कसा और कहा कि दिग्विजय कांग्रेस के ऐसे योगाचार्य हैं जिन्होंने पूरी कांग्रेस को शीर्षासन करा दिया। जब वे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर हिचकौला आसन कराते थे। भोपाल की जनता ने इन्हें मौन योग करने की सलाह दी थी। उनकी सलाह यह मान नहीं रहे हैं। अब लोगों को योग पर सलाह दे रहे हैं, यह हास्यास्पद है।

57 साल के उच्च शिक्षा मंत्री ने शीर्षासन से चौंकाया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर किले, बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने खुजराहो, कृषि मंत्री कमल पटेल ने हरदा, वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर, नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने सागर, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर स्थित उत्कृष्ट विद्यालय में योगाभ्यास किया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने शीर्षासन कर चौंका दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर परमार ने भी योग किया। मुख्यमंत्री ने कहा, मध्यप्रदेश में योग आयोग बना रहे हैं। इसकी पूरी तैयारी हमने कर ली है। स्कूलों में बच्चों को योग की शिक्षा दी जाएगी।

जल जीवन मिशन के कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों: मुख्यमंत्री

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जल जीवन मिशन में जारी कार्यों को गति देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के हर घर में नल से जल पहुँचाना राज्य शासन की प्रतिबद्धता है।

इस तकनीकी युग में कार्य में विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो, यह सुनिश्चित करने के लिए संबद्ध एजेंसियों को उनकी क्षमता के अनुसार ही कार्य आवंटित किया जाए और कार्य की प्रगति पर अधिकारी निरंतर निगरानी रखें। जल जीवन मिशन में संचालित गतिविधियों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए पर्याप्त तकनीकी अमला उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास कार्यालय में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन में जहाँ जल-स्त्रोत कमजोर हों, वहाँ उसे समृद्ध करने के लिए जलाभिषेक अभियान में विशेष प्रयास किए जाएँ। डिजिटल एन्ट्री और इलेक्ट्रानिक तरीके से कार्यों के माप की व्यवस्था को भी सुनिश्चित कराएं। जानकारी दी गई कि प्रदेश के 51 हजार 585 ग्रामों में जल जीवन मिशन की गतिविधियों का आच्छादन किया जाना है, जिनमें 39 हजार 565 ग्रामों के लिए स्वीकृतियाँ जारी की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जल प्रदाय योजनाओं की प्रगति और पूर्णता की संभावित तिथि की माहवार जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

आईडीएसपी की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश सम्मानित...

आईएचआईपी के पहले ही चरण में पूर्णतः पेपरलेस बनने वाला मप्र पहला राज्य

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश ने एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) और इसके अंतर्गत संक्रामक बीमारियों के विषय में तत्काल सूचना प्राप्त कर नियंत्रण और रोकथाम के उद्देश्य से आईएचआईपी (इंटीग्रेटेड हेल्थ इन्फार्मेशन प्लेटफार्म) में उत्कृष्ट कार्य किया है।

साथ ही कोविड महामारी की रोकथाम में भी प्रशंसनीय कार्य किया है। इस उपलब्धि पर स्टेट सर्विलांस यूनिट, मध्यप्रदेश को आज राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आज हुई आईडीएसपी की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण ने आईडीएसपी के उप संचालक डॉ. योगेश कौरव और डॉ. एम.पी.एस. चौहान को सम्मान-पत्र प्रदान किया। उप संचालक आईडीएसपी डॉ. योगेश सिंह कौरव ने बैठक में आईडीएसपी अंतर्गत कोरोना काल में किये गये कार्य और 5 अप्रैल, 2021 से प्रारंभ की गई आईएचआईपी प्रोजेक्ट की मध्यप्रदेश में स्थिति का प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने संक्रामक बीमारी के विषय में तत्काल सूचना प्राप्त कर नियंत्रण और रोकथाम के लिये किये गये कार्यों, नवाचार और प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में आईएचआईपी कार्यक्रम में पहले ही चरण में एक अक्टूबर, 2021 को पूरी तरह पेपरलेस करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मध्यप्रदेश की सराहना की गई। केन्द्र सरकार के आईएचआईपी संयुक्त संचालक डॉ. हिमांशु चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश पहले चरण में आईडीएसपी के अंतर्गत संक्रामक बीमारियों की पहचान, बचाव और रोकथाम से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी को आईएचआईपी में पेपरलेस करने में सफल हुआ है। देश का यह पहला राज्य है, जिसने बहुत कम समय में यह उपलब्धि प्राप्त की है। उन्होंने अन्य राज्यों से आईएचआईपी में पेपरलेस बनने में मध्यप्रदेश का अनुसरण करने के लिये कहा।

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति गठित

राज्य शासन ने स्वच्छ भारत मिशन शहरी-2 का संचालन करने के लिए प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय तकनीकी समिति का गठन किया है। समिति के संयोजक राज्य मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन शहरी हैं। प्रमुख सचिव/प्रभारी एसबीएम ग्रामीण, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, वित्त और पर्यावरण विभागों के प्रमुख सचिव, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि और प्रासंगिक पैरास्टेटल संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य हैं।

खास खबर

आजादी के अमृत महोत्सव में पूरा मध्यप्रदेश हुआ योगमय.....

ग्रामीणों में भी दिखा योगासन के प्रति उत्साह

भोपाल (काप्र)।

8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समाचार आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत इस वर्ष 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे प्रदेश में उत्साह के साथ मनाया गया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत की, वहीं केन्द्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश के मंत्रीगण भी विभिन्न जिलों में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में शामिल हुए। जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायतों में भी छात्र-छात्राओं, ग्रामीणजन, महिला स्व-सहायता समूह सहित मनरेगा के श्रमिकों ने कार्य स्थल और अमृत सरोवर के तटों पर सामूहिक योग किया। प्रदेश के पुरातत्व और पर्यटन स्थलों पर भी जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने मानवता के लिये योग थीम पर योगाभ्यास किया।

मुरैना जिले के प्रसिद्ध पुरातत्व स्थल बटेश्वर मंदिर समूह में केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक में केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, ग्वालियर किले के पुरातत्व स्थल पर केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विश्व प्रसिद्ध साँची के बौद्ध विहार में केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा योग-सत्र में शामिल हुए।

अमृत सरोवर के तट पर हुए योग के विशेष-सत्र

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आहवान पर आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान मध्यप्रदेश में निर्मित हो रहे अमृत सरोवरों के तटों पर भी योग के विशेष-सत्र हुए। इनमें सरोवर के निर्माण में लगे श्रमिक, ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधियों ने मिल कर योग साधना की। इसी प्रकार ऑंगनवाड़ी केन्द्रों में भी योग-सत्र हुए।

धूपगढ़ की पहाड़ी पर योग साधना

सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर ब्रह्म मुहूर्त में योग के आयोजन शुरू हुए। धूपगढ़ की पहाड़ी के मनोरम स्थल पर पर्यटक, नागरिक एवं स्कूली बच्चों के साथ जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सैलानियों ने भी बढ़-चढ़ कर उत्साह के साथ योग किया। पचमढ़ी में ही बायसन लाज परिसर में भी योग का आयोजन हुआ, जिसमें आयुष विभाग, साडा पचमढ़ी, पर्यटन विकास निगम और पचमढ़ी के स्थानीय नागरिक तथा सैलानियों ने प्रातःकाल योग किया। इटारसी के तिलक सिंदूर, सिवनी मालवा के आंवलीघाट, नर्मदापुरम के पावन सेठानी घाट एवं बांद्राभान में भी योग-सत्र हुए, जिनमें योगाचार्यों द्वारा प्रकृति के करीब नागरिकों को योग साधना कराई गई।

स्कूल और कॉलेजों में भी योग

स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रदेश के सभी स्कूलों में भी सामूहिक योग के आयोजन हुए। साथ ही महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों ने योग साधना की। स्काउट, गाइड, एनसीसी, एनएसएस के युवाओं और शिक्षकों ने भी योग-सत्रों में सहभागिता की। सभी जिलों में सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने भी योग कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई। जन अभियान परिषद के सदस्यों ने भी जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नागरिकों को जोड़ते हुए योग-सत्र करवाये।